लोकतण्त्र में यु़वाओं की भागीदारी

डॉ. सुभाष चन्द्राकर
सहा. प्राध्यापक
दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर

1. लोकतण्त्र का अर्थ, प्रकार एवं उद्देश्य :–

डॉ. अम्बेडकर :– लोकतण्त्र एक एसी जीवन पद्धति है जिसमें स्वतत्रण्ता, समता और बंधुत्व, समाज जीवन के मूल सिद्धांत होते हैं।

जॉर्ज बर्नाड शॉ :– लोकतण्त्र अपनी महंगी एवं समय बर्बाद करने वाली खूबियों के साथ सिर्फ भ्रमित करने का एक तरीका भर है,जिसमें जनता को विश्वास दिलाया जाता है, कि वह शासक है जबकि वास्तविक सत्ता कुछ गिने चुने लोगों के हाथ में होती है।

लोकतण्त्र का अंग्रेजी पर्याय डेमोक्रेसी (Democracy) है जो ग्रीक शब्द डेमोस से बना है, जिसका अर्थ होता है जन साधारण उसमें क्रेसी जोड़ा गया जिसका अर्थ होता है जन साधारण द्वारा शासन

विश्व में लोकतण्त्र का इतिहास :– प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लोकतण्त्र

प्राचीन यूनान के नगर राज्यों में प्रत्यक्ष लोकतण्त्र

प्राचीन भारत के लिच्छिवि गणराज्य में प्रत्यक्ष लोकतण्त्र

लोकतण्त्र का उद्देश्य (भारतीय संदर्भ में)

1. जनता की संपूर्ण एवं सर्वोच्च भागीदारी
2. उत्तरदायो सरकार
3. जनता के अधिकारों एवं स्वतण्त्रता की रक्षा
4. सीमित एवं संवैधानिक सरकार
5. सभी नागरिकों को स्वतण्त्रता, समानता एवं न्याय का वादा
6. निष्पक्ष व समयबद्ध चुनाव
7. सरकार के निर्णयों में जनमत एवं दबाव समूह का हिस्सा
8. निष्पक्ष न्यायालय
9. कानून का शासन 10 अनेक राजनीतिक दल तथा दबाव समूह की उपस्थिति

2. भारत में लोकतण्त्र एवं उसकी उपलब्धिया :–

भारत में लोकतण्त्र की शुरूआत 26 जनवरी 1950 से होती है।
73 साल के सफर में भारत ने बहुत तरक्की की है:–

1. भारत कृषि में आत्मनिर्भर हो चुका है।
2. भारत दुनिया का एकमात्र देश जहा स्वतण्त्रता के पहले दिन से सभी वस्यकों को मतदान का अधिकार प्राप्त है।
3. विश्व में सबसे अधिक निर्वाचित व्यक्तियों की संख्या भारत में (20 लाख)
4. सबसे कम लागत में परमाणु उर्जा तैयार करने वाला देश भारत
5. सबसे कम कीमत में अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने वाला देश भारत
6. परमाणु पनडुब्बी लाँच करने वाले 5 देशों में भारत भी
7. एल्यूमिनियम, सीमेन्ट, उर्वरक, इस्पात सबसे कम लागत में तैयार करने वाला देश भारत
8. सबसे तेजी से बढ़ता दूरसंचार बाजार भारत

9. सबसे कम कीमत में चिकित्सा उपलब्ध कराने वाला देश भारत
10. विश्व की सबसे बड़ी तेल रिफायनरी भारत में
11. विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश भारत
12. विश्व में दाल का सबसे बड़ा उत्पादक देश भारत
13. विश्व में चीनी का दूसरा बड़ा उत्पादक देश भारत
14. विश्व में कपास का तीसरा बड़ा उत्पादक देश भारत
15. भारत का मिडडे मील योजना दुनिया का सबसे बड़ा भोजन कायक्रम
16. मनरेगा दुनिया का सबसे बड़ा रोजगार देने वाला कायक्रम
17. चांद पर लहराया तिरंगा

3. भारतीय लोकतण्त्र में य़ुवाओं की कितनी भागीदारी :–

- य़ुवा कौन है? राष्ट्रीय य़ुवा नीति (2003) के अनुसार 13 से 35 वर्ष के आय़ु को य़ुवा माना जाता है।
- भारत में 35 वर्ष तक की आय़ु वालों की संख्या 65 प्रतिशत है।
- भारत की औसत आय़ु 29 वर्ष है, अमेरिका की 45 वर्ष, चीन की 37 वर्ष, प. य़ूरोप एवं जापान की 48 वर्ष है।
- राजनीति में 50 से 60 साल के नेताओं को य़ुवा कहा जाता है।
- खेल में 40 वर्ष की उम्र सन्यास की उम्र हो जाती है।
- विश्व के अलग–अलग देशों में 20–40 वर्ष के आय़ु समूह को य़ुवा माना जाता है। 40–60 तक अधेड व 60 के बाद बुर्जुग माना जाता है।

- उपरोक्त आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि भारत सबसे य़ुवा देश है।
- देश को लोकतण्त्र में उत्साही, उर्जावान, ईमानदार, नैतिक रूप से मजबुत तथा मेहनती य़ुवाओं की आवश्यकता है।

भारत की लोकताण्त्रिक संस्थाओं की स्थिति :–

- राजनीति में य़ुवाओं की भागीदारी का आह्वाण सभी पार्टिया जोर–शोर से करती है, सबको य़ुवा ब्रिगेड चाहिए?
- भारतीय राजनीति में रिले रेस चल रहा है?
- 16वीं लोकसभा के 543 सांसदों में से 70 सांसद 40 वर्ष से कम आय़ु के थे, अर्थात 12.89 प्रतिशत सांसद य़ुवा थे शेष 87 प्रतिशत सांसद 40 वर्ष से अधिक के थे, अर्थात 35 प्रतिशत जनसंख्या का 87 प्रतिनिधित्व (12.89 प्रतिशत में से 5.09 प्रतिशत विरासत में बैटन प्राप्त करने वाले)

4. लोकतण्त्र में य़ुवाओं की भूमिका के बाधक तत्व :–

1. देश की राजनीति में वंशवाद
2. राजनीति में धन की बढ़ती हुई भूमिका
3. पहले से जमे हुए नेता नय को मौका नहीं देना चाहते
4. राजनीतिक पार्टियों द्वारा य़ुवाओं का शोषण
5. भारतीय राजनीति में य़ुवा की गलत परिभाषा
   देश जवान हो रहा परन्तु नेता बुढ़े हो रहे हैं
   अमेरिका– ओबामा 48 वर्ष में राष्ट्रपति, इटली में रेंजी 39 में प्रधानमंत्री, टोनी ब्लेयर 44 वर्ष में इंग्लैण्ड का प्रधानमंत्री बने
6. परिपक्व नेताओं द्वारा कुर्सी खाली न करने की प्रवृत्ति
7. राजनीति में बलिदानी नेताओं का अभाव
   (सुभाषचन्द्र बोस, शहीद भगत सिंह, चन्द्रशेखर, तिलक जी)
8. टारगेट ओरियंटेड य़ुवा (सामाजिक सरोकार से दूर)

5. लोकतण्त्र में य़ुवाओं की भूमिका बढ़ाने के उपाय :–

1. सभी नागरिकों को एक समान उत्कृष्ठ एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का अवसर प्राप्त हो
2. राजनीति में सर्वाधिक बुद्धिमान लोग आएँ एसा प्रयास हो
3. य़ुवा वर्ग में देश की राजनीति के प्रति बढ़ती उदासिनता को दूर करने का प्रयास (E.C., S.M.)
4. राजनीति में न्य़ूनतम शैक्षणिक योग्यता एवं सेवानिवृत्ति की आय़ु आवश्यक
5. व्यापक चुनाव सुधार – (Referendum, Recall)
6. राजनीति में साफ–सुथरे य़ुवाओं को आकर्षित करने हेतु विविध कायक्रम
7. स्कुल–कालेज के पाठय़क्रमों में आदर्श नागरिकता के साथ, लोकतण्त्र में य़ुवाओं की भूमिका को सम्मिलित करना

6. लोकतण्त्र में भागीदारी के लिए य़ुवा क्या करें?

1. शत प्रतिशत मतदान करें।
2. य़ुवाओं में राजनीतिक सक्रियता हो।
3. य़ुवा सोशल मीडिया का सूचिता पूर्ण उपयोग करें।
4. य़ुवा संवैधानिक संस्था में भागीदारी करें एवं सवाल भी पूछे।
5. य़ुवा अपना स्वय का माँग पत्र तैयार करें व नेताओं के सामने रखे।
6. य़ुवा राजनीति के महत्व को समझे– राजनीति चाबियों की चाबी है।

धन्यवाद